NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 26 FEBRUARY 2025

DAILY NEWS

श्रृंगवेरपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का शुभारम्भ कल

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 FEB 2025	Page-07

श्रृंगवेरपुर में रामायण कॉन्क्लेव आज

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग व अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या के संयोजन में 26 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का पहला आयोजन श्रृंगवेरपुरधाम, प्रयागराज में हो रहा है। इसकी अध्यक्षता विधायक गुरु प्रसाद मौर्य करेंगे व फूलपुर से सांसद प्रवीण पटेल मुख्य अतिथि होंगे।कॉन्क्लेव का आयोजन श्रीलंका, नेपाल व देश के छह राज्यों, राम वन-गमन पथ समेत 10 स्थानों पर किया जा रहा है। इसमें देश व प्रदेश के युवाओं की भागीदारी होगी। कॉन्क्लेव में संत-विद्वत समागम, रामायण-वेद गान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, काव्यार्चन, प्रवचन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियां भी होंगी। संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कुमकुम आदर्श व उनका दल शिव-शक्ति नृत्य नाटिका का मंचन करेगा। निधि तिवारी की टीम भी नृत्य नाटिका का मंचन करेगी। ब्यूरो

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 FEB 2025	Page-02

चित्रकूट से श्रीलंका तक राम वन-गमन पथ होगा जीवंत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रृंगवेरपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की शुरुआत आज से
- 29 मार्च को जम्मू में होगा कॉंक्लेव का समापन

अमृत विचार: चित्रकूट से श्रीलंका तक राम वन-गमन पथ को जीवंत करने की तैयारी है। श्रृंगवेरपुर प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की शुरुआत बुधवार से हो रही है। श्रीलंका, नेपाल एवं देश के 06 राज्यों और राम वन-गमन पथ समेत 10 स्थानों पर इसका आयोजन होगा। इस अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का समापन 29 मार्च को जम्मू में किया जाना है।

उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, अयोध्या एवं रामायण मेला आयोजन समिति, श्रृंगवेरपुरधाम, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 26 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का प्रथम आयोजन हो रहा है। पर्यटन सुविधा केन्द्र स्थल, श्रृंगवेरपुरधाम, प्रयागराज में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रयागराज से विधायक गुरु प्रसाद मौर्य करेंगे, जबकि फूलपुर, प्रयागराज से सांसद प्रवीण पटेल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। कॉन्क्लेव का आयोजन श्रीलंका, नेपाल एवं देश के 06 राज्यों व राम वन-गमन पथ समेत 10 स्थानों पर किया जा रहा है। इसमें देश एवं प्रदेश के युवाओं सहित सभी नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

> यह कॉन्क्लेव संत और विद्वानों के समागम का अच्छा अवसर है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी भी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन प्रसंगों से प्रेरित होगी।
>
> **–जयवीर सिंह,** पर्यटन मंत्री

कॉन्क्लेव में होने वाले संत-विद्वत समागम में हनुमान गढ़ी रामचौरा घाट, श्रृंगवेरपुरधाम के महंत स्वामी कमल दास महाराज, गऊघाट, श्रृंगवेरपुरधाम के स्वामी जयराम दास महाराज, राष्ट्रीय रामायण मेला, श्रृंगवेरपुरधाम के अध्यक्ष डॉ. बालकृष्ण पाण्डेय एवं समाजसेवी विवेक तिवारी शामिल होंगे। रामायण-वेद गान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, काव्यार्चन एवं प्रवचन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। सभी वर्गों की भागीदारी बढ़ाने की नजर से स्थानीय हायर सेकेंडरी स्कूल, डिग्री कॉलेज, विश्वविद्यालयों, विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों आदि को भी कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

कई स्थानों से निकलेगी धार्मिक यात्रा

प्रयागराज के बाद रामायण कॉन्क्लेव की यह धार्मिक यात्रा 01 और 02 मार्च को चित्रकूट, 07 और 08 मार्च को नागपुर के रामटेक, 18 मार्च को हम्पी, कर्नाटक, 21 और 22 मार्च को रामेश्वरम, 26 मार्च को श्रीलंका पहुंचेगी और 29 मार्च को जम्मू आकर यात्रा का समापन होगा।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	ETV Bharat	Publishing Date :	26 FEB 2025	Online

https://www.etvbharat.com/hi/!state/international-ramayana-conclave-in-shringverpur-dham-on-mahashivratri-2025-uttar-pradesh-news-ups25022505268

महाशिवरात्रि पर श्रृंगवेरपुर धाम में रामायण कॉन्क्लेव; श्रीलंका, नेपाल समेत देश के छह राज्यों में होगा प्रोग्राम - INTERNATIONAL RAMAYANA CONCLAVE

उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की ओर से दी गई जानकारी.

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Gaon Giraw	Publishing Date :	26 FEB 2025	Online

https://gaongiraw.in/inauguration-of-international-ramayana-conclave-in-shringverpur-tomorrow/#:~:text=

LUCKNOW, PRYAGRAJ, UTTAR PRADESH

श्रृंगवेरपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का शुभारम्भ कल

Gaon Giraw   February 25, 2025

श्रीलंका, नेपाल एवं देश के 06 राज्यों और राम वन-गमन पथ समेत 10 स्थानों पर होगा आयोजन

29 मार्च को जम्मू में होगा अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का समापन

लखनऊ : उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, अयोध्या एवं रामायण मेला आयोजन समिति, श्रृंगवेरपुर धाम, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 26 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का प्रथम आयोजन हो रहा है।

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	26 FEB 2025	Online

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/gangapar/story-mahashivaratri-celebrations-shri-ramayana-conclave-in-uttar-pradesh-201740402243204.amp.html

महाशिवरात्री पर श्रृंग्वेरपुर में रामायण कान्क्लेव होगा

Gangapar News - श्रृंग्वेरपुरधाम। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री रामायण कानक्लेव का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं

Newswrap ● हिन्दुस्तान, गंगापार
Mon, 24 Feb 2025, 06:34:PM

अंतर्देशीय चित्र प्रदर्शनी में दिखा कला प्रेमियों का उत्साह

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 FEB 2025	Page-04

भावपूर्ण चित्रों में दिख रही युवा चित्रकारों की प्रतिभा : कुलपति

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : स्थापना के हीरक जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से चार दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी की शुरुआत की गई। अमृता कला वीथिका में आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। चित्रों का अवलोकन करने के बाद उन्होंने कहा कि प्रदर्शित भावपूर्ण चित्रों में युवा चित्रकारों की प्रतिभा चमक रही है। प्रो. टंडन ने कहा कि सभी कलाकृतियां अपनी अलग पहचान लिए हुए हैं। सभी कृतियों में विविधता है। प्राकृतिक चित्र अत्यंत ही मनमोहक है। लोक चित्रों के जरिये कलाकारों ने परंपरा व विरासत को संजाने की कोशिश की है। कुछ समसामयिक विषयों को लेकर भी अत्यंत भावपूर्ण चित्र बनाए गए हैं, जो समाज को सही दिशा में चलने को सीख दे रहे हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजवंत राव ने कहा कि सभी चित्रों में कलाकार की रचनाशीलता प्रस्तुत होती दिख रही है। अतिथियों का स्वागत करते हुए

अमृता कला वीथिका में लगी चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं छात्राएं • जागरण

विभागाध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में 45 कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इनमें चार मूर्तियां भी शामिल हैं। चित्रों के विषय मुख्य रूप से प्राकृतिक, लोक कला, ऐतिहासिक, धार्मिक तथा समसामयिक हैं। जिन कलाकारों का प्रदर्शनी में सहभाग है, उनमें देवानंद गुप्ता, आकाश यादव, अनुष्का साहनी, उज्जमा फातिमा, उमा भारती, नेहा सिंह, सनी निषाद, अनमोल द्विवेदी, ज्योति गुप्ता, डा. संदीप श्रीवास्तव, ऋतु श्रीवास्तव, निलय, डा. रेखारानी शर्मा, उदय चौहान आदि शामिल हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में डा. सत्येंद्र कुमार सिंह, प्रो. नंदिता सिंह, डा. गौरी शंकर चौहान, डा. प्रदीप साहनी आदि मौजूद रहे।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	26 FEB 2025	Online

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/gorakhpur/story-four-day-art-exhibition-inaugurated-at-gorakhpur-university-celebrating-25-years-of-lalit-kala-department-201740523695156.html

भावपूर्ण चित्रों में दिख रही युवा चित्रकारों की प्रतिभा : कुलपति

Gorakhpur News - गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग द्वारा हीरक जयंती वर्ष के तहत चार दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें 45 कलाकारों की...

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, गोरखपुर

Wed, 26 Feb 2025 04:18 AM

Share

Follow Us on

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Nishpaksha Pratinidhi	Publishing Date :	26 FEB 2025	Online

https://www.nishpakshpratinidhi.page/2025/02/blog-post_25.html

NISHPAKSH PRATINIDHI

अंतर्देशीय चित्र प्रदर्शनी में दिखा कला प्रेमियों का उत्साह

- फ़रवरी 25, 2025

लखनऊ:दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश एवं ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय 'अंतर्देशीय' चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

यह प्रदर्शनी 25 से 28 फरवरी तक अमृता कला वीथिका में आयोजित हो रही है। प्रदर्शनी के पहले ही दिन कला प्रेमियों की भीड़ उमड़ी।

प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया, जबकि कला संकाय अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में 45 कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें प्राकृतिक, लोककला, ऐतिहासिक, धार्मिक और समसामयिक विषयों पर आधारित चित्र शामिल हैं।